Definitions & Scope of Environment Geography

UNIT-1

- Introduction Environment Geography
- Meaning & Definitions
- Historical Development of Environment Geography
- Human Geography is Human Ecology
- Four Spheres of Environmental Geography
- Scope & Importance of Environmental Geography
- Conclusion

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

DR. JAGDISH CHAND
Asst. Prof. Geography
Govt. College Sangrah

Syllabus

Unit	Topic
1	Definition and Scope of Environmental Geography, Meaning and Components of Environment, Ecosystem – Concept, Components and Functions
2	Human- Environment Relationship, Environmental Determinism and Possibilism, Biomes- Definition, Mountain and Desert Regions
3	Environmental Problems: Air and water Pollution, Their Causes, Impacts and Management, Biodiversity Loss
4	Environmental Management Initiatives in India Environmental Protection Act, 1982, Environmental Policy of India(2006), Chipko Movement

Recommended Books for Environmental Geography

1) Casper J.K. (2010) Changing Ecosystems: Effects of Global Warming. Infobase Pub. New York.

2) Singh, R.B. (1993) Environmental Geography, Heritage Publishers, New Delhi.

3) Wright R.T. and Boorse, D. F. (2010) Toward a Sustainable Future, PHI Learning Pvt Ltd, New Delhi.

4) Singh, Savindra 2001. Paryavaran Bhugol, Prayag Pustak Bhawan, Allahabad. (in Hindi)

5) Salariya. P.K. : Environmental Geography

6) Thakur, Vijay: Environmental Geography

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

Environment

Nature, place, people, things, etc. that surround the living organisms make the environment. The environment can broadly be classified into the natural and human environment. It is a combination of both natural as well as man-made phenomena.

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

The natural environment comprises biotic (plants and animals) and abiotic-conditions(land, water, air, etc.), whereas the man-made phenomena comprise the activities and interactions among human beings (roads, bridges, etc.).

पर्यावरण : सामान्य परिचय

पर्यावरण (Environment) शब्द की उत्पत्ति फ्रेंच शब्द "Environner" से हुई है जिसका अर्थ है- **घिरा हुआ या घेरना।** पर्यावरण एक अविभाज्य समष्टि है जिसकी रचना भौतिक, जैविक तथा सांस्कृतिक तत्त्वों वाले परस्पर क्रियाशील (Interacting) तंत्रों से होती है। पर्यावरण उन समस्त परिस्थितियों एवं दशाओं (भौतिक,सामाजिक एवं सांस्कृतिक) को प्रदर्शित करता है जो किसी एकाकी जीव या जीव समूह को चारों ओर से आवृत्त करता है तथा उसे प्रभावित करता है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अनुसार, पर्यावरण के अंतर्गत किसी जीव को चारों ओर से घेरने वाली भौतिक एवं जैविक दशाएँ तथा उनके साथ अंतःक्रियाएँ शामिल की जाती हैं।

"पृथ्वी हर व्यक्ति की जरूरत तो पूरा कर सकती है, लेकिन मनुष्य के लालच को पूरा नहीं कर सकती'- महात्मा गाँधी

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

पर्यावरण के तीन मुख्य संघटक होते हैं

- भौतिक (अजैविक) संघटक (जैसे - स्थलमंडल, जलमंडल तथा वायुमंडल)
- जैविक संघटक (जैसे - पौधे, जंतु, मानव, सूक्ष्म जीव आदि)
- ऊर्जा संघटक (जैसे - सौर ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा आदि)

Meaning & Definitions of Environmental Geography

The word 'Environment' is derived from the French word 'Environner' which means to encircle, around or surround.

The biologist Jacob Van Uerkal (1864-1944) introduced the term 'environment' in Ecology. Ecology is the study of the interactions between an organism of some kind and its environment.

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

DEFINITION OF ENVIRONMENT:

Douglas and Holland defined that 'The term environment is used to describe, in aggregate, all the external forces, influences and conditions, which affect the life, nature, behaviour and the growth, development and maturity of living organisms'.

Environmental Geography

K. Hewitt and F. K. Hare first used the term of **'Environmental Geography**

Conceptual Frameworks (Commission on College Geography Resource Paper 20) in the year 1973 who remarked that 'the main needs of environmental geography today are a deeper fusion of ideas and results from the life sciences.

Dr Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

Environmental Geography

It was realized that ecological inputs in geographical studies of environment would make the discipline of geography more focussed subject. This is clearly evident from the assertion of S.R. Eyre (1964) that a more ecological approach' enhances the prestige of geographers within the academic world'.

Dr. Hardish Chand
Assistant Professor Geography

According to Eyre 'by adopting an ecological view point geographers can stand to rid themselves of 'naive determinism' and misinterpretation in both human and physical geography' (C.C. Park 1980).

Historical Development of Environmental Geography

- फ्रोस्टर (Froster), कॉन्त (Kant), रिटर (Ritter), हम्बोल्ट (Humboldt), फ्रोबेल (Frobel), पैशचल (Peschel), रिचथोफेन (Richthofen), रेटजेल (Ratzel) आदि के मानव भूगोल के सम्बन्ध में किए गए अध्ययन उल्लेखनीय हैं।
- परन्तु मानव भूगोल का आधुनिक वैज्ञानिक विकास जर्मन तथा फ्रांसीसी विद्वानों के संयुक्त प्रयत्नों द्वारा ही सम्भव हो पाया है।
- विडाल डी. ला बलाश (Vidal-de La-Blache) को फ्रांसीसी भूगोल के जन्मदाता (Founding Father of French Geography) के नाम से जाना जाता है।

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

Historical Development of Environmental Geography

- उसने अपने लेख 'मानव भूगोल के सिद्धान्तों' (Principles of Human Geography) में मानव भूगोल के परिचय, अर्थ तथा उद्देश्यों आदि पर प्रकाश डाला तथा कुछ आधारभूत मानव भूगोल से सम्बन्धित सिद्धान्तों का भी प्रतिपादन किया
- जिन सिद्धान्तों को आधार मान कर बाद के विद्वानों ने भूगोल के ज्ञान तथा नियमों को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए विशेष कार्य किया।
- जिनमें रेटजेल (Ratzel), जीन ब्रूज (Jean Branches), डिमाजियां (Demangeon), फेब्रे (Febvre), सेम्पुल (Semple), हंटिंगटन (Huntington), ब्रोमेन (Broman), सोयर (Sauer), ग्रिफिथ टेलर, हर्बर्टसन (Herbertson), मैकन्डर (Meckinder), राकस्बी (Roxby) आदि के प्रमुख नाम हैं।

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

Human Geography is Human Ecology

(मानव भूगोल मानव पारिस्थितिकी है)

- मानव पारिस्थितिकी (Human Ecology) की अवधारणा के संस्थापक अमेरिकन भूगोलवेत्ता एच. बैरोज (American Geographer H. H. Barrows) थे।
- उन्होंने सन् 1923 में अमेरिकन भूगोलवेत्ताओं के संगठन (Association of American Geographers) को सम्बोधित करते हुए अपने अध्यक्षीय भाषण में यह घोषणा की कि 'मानव भूगोल एक मानव पारिस्थितिकी' है (Human Geography is Human Ecology.)

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

- इस अवधारणा का मुख्य आधार मानव का अपने पर्यावरण में समायोजन है।
- इस विचारधारा के समर्थकों का यह विचार है कि मानवीय क्रियाओं तथा उसके वातावरण के जैव तथा अजैव संघटकों के मध्य पारस्परिक सम्बन्ध पाया जाता है।
- रैटजैल (Ratzel), सैम्पुल (Semple), हंटिंगटन (Huntington), टेलर (Taylor), हरबर्टसन (Herbertson) आदि मानव भूगोलवेत्ताओं ने भी इस अवधारणा का सम्बोधन किया।

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

- It was the year 1989 when Savindra Singh (Singh, 1989) attempted to define environmental geography and determine its scope in his research paper entitled environmental geography.

- "Environmental geography may be defined as the study of spatial attributes of interrelationships between living organisms and natural environment in general, and between technologically advanced 'economic man' and his natural environment in particular in temporal and spatial framework."

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

Four Spheres of Environmental Geography
(पर्यावरण भूगोल के चार स्तरीय क्षेत्र)

- **स्थलमण्डल (Lithosphere)-** भूतल, उसका स्वरूप, उसके स्वरूप में परिवर्तन लाने वाली आन्तरिक एवं वाह्य या समतल स्थापक शक्तियां इनकी गतिशील क्रियाओं का आपसी प्रभाव एवं इन सबका मानव पर विविध प्रकार से प्रभाव इसके अंग और उपांग हैं।
- **वायुमण्डल (Atmosphere)-** यह बहुत महत्त्वपूर्ण क्षेत्र विभिन्न प्रकार की हल्की तथा भारी गैसों, धूलकणों, जलवाष्प आदि का मिश्रण है। इसके अन्तर्गत सौर ताप, तापमान, वायु, आर्द्रता, वायुमण्डल के घटक आदि पूर्णत: गतिशील एवं विशेष प्रभाव तत्त्व आते हैं।

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

- **जलमण्डल (Hydrosphere)-** यह पर्यावरण का अप्रत्यक्ष किन्तु सर्वव्यापी व गुप्त प्रभावी एवं विशिष्ट क्षेत्र है। इसमें महासागर एवं अन्य जलसंस्थान, महासागर नितल व तल के जमाव, महासागरीय जल की गतियाधाराएँ, ज्वारभाटा, लहरें, महासागरों के तापमान, लवणता एवं प्रवाल जीव उनमें से प्रत्येक का प्रभाव आदि आते हैं।
- **जैवमण्डल (Biosphere)-** यह पर्यावरण का महत्त्वर्पूण क्षेत्र है क्योंकि उपर्युक्त तीनों क्षेत्रों का जिस प्रकार का अनुकूल या प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा जीवों का विकास भी उष्ण, अद्धोष्ण, शीतोष्ण व शीत जलवायु में विविध भूतल एवं जल उपलब्धता के अनुसार अवस्थान (Habitat) निर्धारित होगा एवं उसी के अनुसार जैव प्रकार या बायोम (Biome) का विकास होता हैं।

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

Scope of Environmental Geography

(पर्यावरण भूगोल का अध्ययन क्षेत्र या विषय सामग्री)

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

Scope of Environmental Geography

- ✓ Geo-ecosystem or simply ecosystem as study unit. (अध्ययन इकाई के रूप पारिस्थितिकी तंत्र)
- ✓ The functioning of ecosystem including circulation of energy and matter and ecosystem productivity (ऊर्जा और पदार्थ और पारिस्थितिकी तंत्र उत्पादकता के संचलन सहित पारिस्थितिकी तंत्र की कार्यप्रणाली)
- ✓ Temporal changes in ecosystem (पारिस्थितिक तंत्र में अस्थायी परिवर्तन)
- ✓ Spatial ecological changes (स्थानिक पारिस्थितिक परिवर्तन)
- ✓ Global environmental problems (वैश्विक पर्यावरणीय समस्याएं)
- ✓ Environmental hazards disasters (पर्यावरणीय खतरे आपदाएं)
- ✓ Man and environmental processes (मनुष्य और पर्यावरण प्रक्रियाएँ)
- ✓ Environmental degradation and pollution (पर्यावरणीय क्षरण और प्रदूषण)
- ✓ Environmental management. (पर्यावरण प्रबंधन)

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

Scope and Importance

- Environment geography is multi-disciplinary in nature. पर्यावरण भूगोल प्रकृति में बहु-विषयक है।
- It is related to other disciplines like- life science, physical science, ecology, economics, biology, chemistry, public administration etc. यह अन्य विषयों से संबंधित है जैसे- जीवन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, पारिस्थितिकी, अर्थशास्त्र, जीव विज्ञान, रसायन विज्ञान, लोक प्रशासन आदि।
- It's concerned with the spatial attributes of all the phenomena related to the environment. यह पर्यावरण से संबंधित सभी घटनाओं की स्थानिक विशेषताओं से संबंधित है।
- Studies the various biomes and human influences. विभिन्न बायोम और मानव प्रभावों का अध्ययन करता है।

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

Scope and Importance

- Deals with the pattern of biodiversity at the global, national and local level. वैश्विक, राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर जैव विविधता के प्रारूप का अध्ययन करता हैं।

- Studies the spatial pattern of physical and anthropogenic degradation of environment. पर्यावरण के भौतिक और मानवजनित क्षरण के स्थानिक प्रारूप का अध्ययन करता है।

Dr. Jagdish Chandra
Assistant Professor Geography

Scope and Importance

- Studies cause- effect, severity, management and mitigation of various environment issues like Climate change, global warming, ozone depletion, habitat loss, bio-diversity loss, pollution etc. कारण- प्रभाव अध्ययन, जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, ओजोन की कमी, निवास स्थान की हानि, जैव-विविधता की हानि, प्रदूषण आदि जैसे विभिन्न पर्यावरण मुद्दों का प्रभाव, गंभीरता, प्रबंधन और शमन।

- Includes the notion of sustainable development, environment education, planning, conservation and management. इसमें सतत विकास, पर्यावरण शिक्षा, योजना, संरक्षण और प्रबंधन की धारणा शामिल है।

Dr. Jagdish Chand
Assistant Professor Geography

The Geographic Approach

A Framework for Understanding and Managing Our Earth

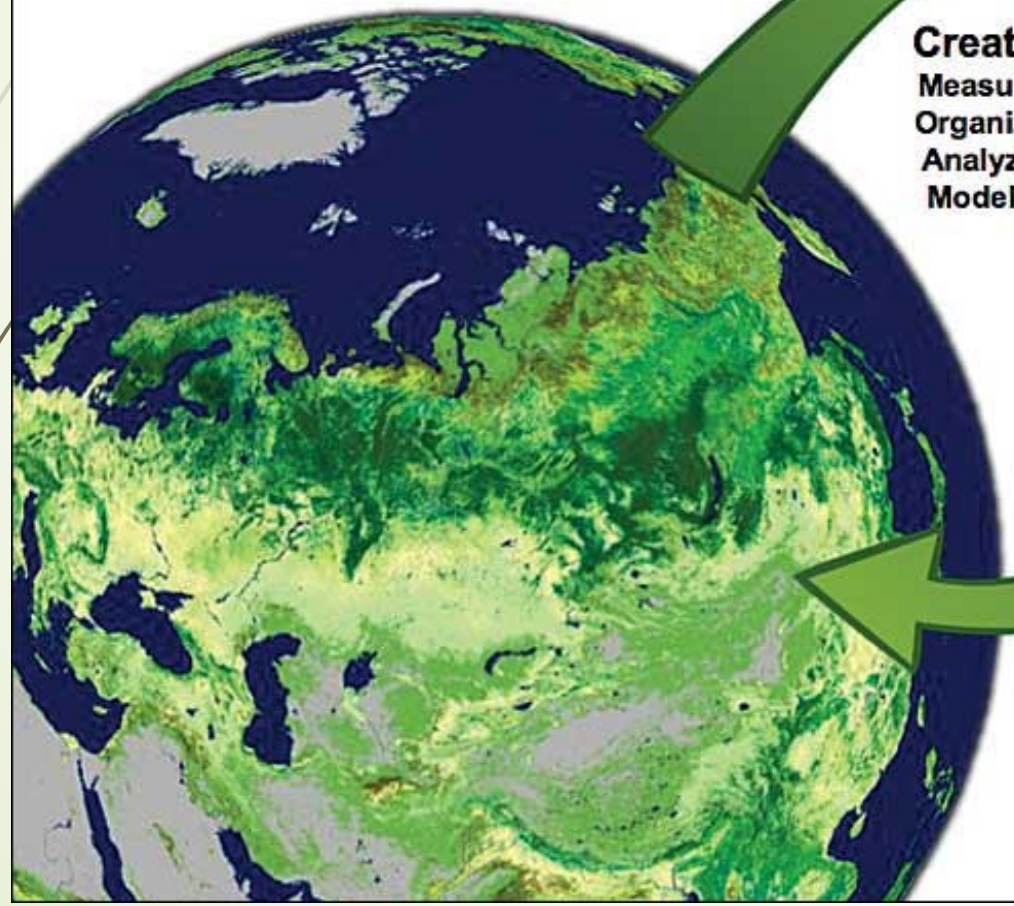

Geographic Knowledge

Creating
Measuring
Organizing
Analyzing
Modeling

Holistic
Comprehensive
Systematic
Analytic
Visual

Applying
Planning
Designing
Deciding
Managing
Acting

Integrating Geography into How We Behave

THANK YOU